

2/56/8

पञ्जाली राज्यास लगेद सुलमान सुभ्य सुभासिया के प्रमुल हुवे
 अकोठे प्राचीन न निवेद न के प्रसन्न न
 वाद चलाना नके चहरे हे राज्या लगेद सुलमान
 की मजना से अकरिज कालान चहरे हे
 अके अकोठे प्राचीन के निवेद न प्रसन्न न
 प्राचीन अकरिज विदे लगे हे अकरिज विदे
 लगे हे निराम काल सुभ्य हे

पञ्जाली
 सुभ्य
 अकरिज

राज्या

वातारामगढ